डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
उत्तर प्रदेश सरकार
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow
Government of Uttar Pradesh

प्रेस नोट
लोकार्पण एवं शिलान्यास संपन्न

- **125.67 करोड़ रूपये लागत के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण**
- **लोकार्पित भवनः प्रेक्षागृह, सीवरेज़ ट्रीटमेन्ट प्लान्ट–1, पुरूष छात्रावास, महिला छात्रावास, टाइप–4 एवं टाइप–5 आवासीय परिसर तथा विद्युत उप केन्द्र**
- **96.47 करोड़ रूपये लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास**
- **परियोजनाएं जिनका शिलान्यास किया गयाः सीवरेज़ ट्रीटमेन्ट प्लान्ट–2, केन्द्रीय पुस्तकालय, समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय और कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र**

माननीय मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा

- **लखनऊ में ऐतिहासिक काम हुए हैं, एक महत्वपूर्ण काम यह विश्वविद्यालय भी है**
- **विश्वविद्यालय का प्रेक्षागृह बहुत अच्छा बना है**
- **विश्वविद्यालय का काम शिक्षा, शोध एवं कमजोर लोगों के लिए काम करना है**
- **विश्वविद्यालय विकलांगजनों की शिक्षा एवं पुनर्वास के लिए बेहतर काम कर रहा है**
- **कुलपति के .नेतृत्व में बीते दो साल में खासी प्रगति हुई है**
- **विश्वविद्यालय ने अलग से अपनी छाप छोड़ी है**
- **यह विश्वविद्यालय उपेक्षित एवं कमजोर लोगों की जिम्मेदारी निभा रहा है**
- **जीवन में उतार–चढ़ाव आते हैं, उन्हें झेलना पड़ता है**
- **'लड़े हैं हम लड़ेगें हमीं उन अन्धेरों से जिद है हमें प्रकाश फैलाने की'**
- **जीवन में कुछ करना है तो दृष्टि बदलना होगा**
- **दूर दृष्टि पक्का इरादा मनुष्य के जीवन में होना चाहिए**
- **जिन्होंने विश्वविद्यालय की शुरूआत की उनकी दृष्टि बहुत अच्छी थी**
- **कुलपति प्रो. निशीथ राय उस इरादे को पूरा कर रहे हैं**

विश्वविद्यालय की समावेशी शिक्षा व पुनर्वास कोशिशों को विस्तार देते हुए आज नव निर्मित प्रेक्षागृह, सीवरेज़ ट्रीटमेन्ट प्लान्ट–1, पुरूष छात्रावास, महिला छात्रावास टाइप–4 एवं टाइप–5 आवासीय परिसर तथा विद्युत उप केन्द्र का लोकार्पण उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री माननीय श्री शिवपाल सिंह यादव द्वारा किया गया। साथ ही उन्होंने सीवरेज़ ट्रीटमेन्ट प्लान्ट–2, केन्द्रीय पुस्तकालय, समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय और कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। उम्मीद है कि इनसे विश्वविद्यालय में पढ़ रहे खासतौर पे दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि कुलपति प्रो. (डॉ.) निशीथ राय के नेतृत्व में बहुत अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने कहा बहुत अच्छा प्रेक्षागृह बना है। विश्वविद्यालय का काम शिक्षा, शोध एवं कमजोर लोगों के लिए काम करना है। उन्होंने उन लोगों को बधाई दी जिन्होंने इस विश्वविद्यालय की शुरूआत की। उनकी दृष्टि बहुत अच्छी थी। उस इरादे को प्रो. निशीथ राय पुरा कर रहे हैं। इसके लिए मै उन्हें बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में उतार–चढ़ाव आते हैं और उन्हें झेलना पड़ता है। बिना संघर्ष के जीवन में कुछ किया भी नहीं जा सकता। जीवन में दूरदृष्टि व पक्का इरादा होना चाहिए। मा. मंत्री जी ने कहा ' लड़े हैं हम लड़ेंगे हमीं उन अन्धेरों से, जिद है हमें प्रकाश फैलाने की'। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में बैरियर फ्री स्टेडियम का काम जल्दी शुरू हो इसमें वरीयता के आधार पर सरकार हर संभव मदद करेगी।

इस मौके पर बोलते हुए कुलपति प्रो. (डॉ) निशीथ राय नें कहा कि विश्वविद्यालय की तरक्की के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। हमारा प्रयास है कि दिव्यांग जनों को शिक्षण व कौशल विकास के मौके देकर उन्हें देश और समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाय। इस मिशन को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार से भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सूबे से हर साल लगभग 26 से 30 हजार लोग अन्य सूबों में कृत्रिम अंग के लिए जाया करते थे। लेकिन मुख्यमंत्री की पहल पर परिसर में कृत्रिम एवं पुनर्वास केन्द्र के जरिए दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग दिए जा रहे हैं। यही नहीं इस केन्द्र की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 35 करोड़ रूपये का बजट दिया है। बधिरों के लिए सांकेतिक भाषा में इण्टरमीडिएट का कोर्स शुरू किया गया है हम सरकार के सहयोग से बैरियर फ्री स्टेडियम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सरोजनीनगर के विधायक श्री शारदा प्रताप शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय में खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं मुहैया कराने में बैरियर फ्री स्टेडियम से काफी मदद मिलेगी। उन्होंने आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे का जिक्र करते हुए कहा कि यह तरक्की में काफी मददगार साबित होगा। श्री अनिल सागर, सचिव विकलांगजन विकास विभाग ने कहा कि दिव्यांगों को कृतिम अंग मुहैया कराने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा हर जिले में कैप लगाए जायेंगे। प्रदेश सरकार दिव्यांगों की बेहतरी के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। कर्नल सत्यवीर सिंह यादव ने कहा कि दिव्यांगों के हित में यह विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसमें मनोरोगियों के पुनर्वास के काम को भी जोड़ा जाना चाहिए। श्री एस के श्रीवास्तव, सचिव भारतीय पुनर्वास परिषद ने कहा कि अपने अनुभव के आधार पर वे कह सकते हैं कि यह विश्वविद्यालय सिर्फ भारत में ही नहीं पूरे विश्व में समावेशी शिक्षा का अनूठा संस्थान है। कार्यक्रम का संचालन श्री खलील खाँन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री बृजेन्द्र सिंह ने किया। इस मौके पर कार्यपरिषद के सदस्य श्री सुनील चौधरी, जापान के मूर्तिकार हिरोशी मियाउची, प्रो. कोटेश्वर प्रसाद (मद्रास विश्वविद्यालय), प्रो. रिज़वान केशर (जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय), डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.)ए पी तिवारी, प्रॉक्टर प्रो. अश्वनी कुमार दुबे, डीन कामर्स प्रो. प्रेम मोहन, डीएसडब्ल्यू प्रो. वी के सिंह, प्रो. एच एस झा डीन आर्ट्स, प्रो. राजीव नयन डीन संगीत एवं ललित कला, प्रो. रजनी रंजन सिंह डीन विशेष शिक्षा, प्रो. आर के श्रीवास्तव, प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह, प्रो. सी के दीक्षित, प्रो. नागेन्द्र यादव, वित्त अधिकारी अशोक कुमार, ए के पाण्डेय (यूपीआरएनएन), उप कुलसचिव डॉ. ए के सिंह, डॉ. शैलजा सिंह, डॉ. वीरेन्द्र सिंह यादव, डॉ. कौशिकी सिंह, डॉ. गुलाब राय,, डॉ. विजय कुमार वर्मा एवं सहायक कुलसचिव सुश्री बिन्दू सिंह समेत विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी व भारी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

20 फरवरी, 2016

(प्रो. (डॉ.) ए.पी. तिवारी)
मीडिया प्रवक्ता एवं
कुलपति के शैक्षणिक सलाहकार